No. of

villages

declared

to have

of 50 % and more

crop los

1048

2107

3519

2806

1416

2303

1782

1085

9. Mayurbhanj .	3972	2965
10. Phulbani .	4619	718
11. Pari	3968	1501
2. Samtalpu $_{f r}$ .	3598	2835
ea. Sundargarh	1604	1468
Toral	50854	26273
Shortage of Sugar		
99. SHRI V. KISHORE CHANDRA S. DEO: Will the Minister of AGRI- CULTRE be pleased to state:		

(a) whether it is a fact that the

(b) if so, what arrangements have

(c) the steps being proposed to be

OF STATE IN

taken by Government to increase the

production of sugar in the next sugar

THE MINISTRY OF AGRICULTURE

(SHRI R. V. SWAMINATHAN): (a)

and (b). The existing stocks of sugar

existing stocks of sugar in the coun-

try are far short of the demand;

been made to meet the shortage

sugar till the next season; and

MINISTER

season?

THE

follows: --

: Balasore

2. Bolangir

3. Cuttack

5. Ganjam

6. Kalahandi

7. Keonjhar

3. Koraput

4. Dhenkanal

Name of district

No. of

villages

in the

district

43.3

£082

6682

3167

4532

2812

2048

5766

101. श्री भीला भाई: क्या कृषि मंत्री यह बताने की कपा करेंगे कि: (क) देश में खाद्याननें का भण्डार कितना (स) चाल वर्ष के दौरान सरकारी एजें-सियों द्वारा अब तक वसूल की गई रबी फसल के खाद्यान्नों की मात्रा क्या है? किव मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री आर.

in the country are not short of demand for the remaining months of the sugar season. There is adequate availability of sugar to meet the requirement of internal consumption till the end of the current 1979-80 season at the normal monthly levy and freesale release of about 4 lakh tonnes. The demand for sugar in rainy season is lower as compared to that in other months. (c) To maximise the sugar production in the coming 1980-81 season and to ensure larger availability of sugar in early part of the season, a scheme grant of incentives to the for the sugar factories by way of rebate in excise duty for early start of crushing operations, is under consideration.

खाद्यान्नों का भंडार (स्टाक) और रबी फसल की वस्सी

ह' और यह कितनी अविध के लिए पर्याप्त होगाः और

वी. स्वामीनाथन): (क) सभी एजें सियों के पास 1-5-80 को बादयान्नों का कल अनुमानित स्टाक लगभग 137 लाख मीटरी टन था। स्टाक स्थिति हमेशा बदलती रहती है क्यों कि वसली से स्टाक में वृद्धि होती है और स्टाक के खादयान्न देने से रटाक मे कमी होती है। क्यों कि वसली तथा वित-रण उत्पादन तथा बाजार में उपलब्धता जैसी कई बातों पर निर्भर करता है इसलिए उस अविधि के बारे में बताना सम्भव नहीं

(स) जैसाकि 5-6-1980 तक स्वित किया गया है, चालू रबी विपणन 1980-81 के दौरान लगभग 55.03 लाख मीटरी टन गेंहुं की वस्ली की गई है।

जिसके लिए सरकार के पास फिलहाल उप-

लब्ध स्टाक पर्याप्त होगा।